भाकृअप-राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, क्षेत्रीय केंद्र अकोला

हिंदी सप्ताह समारोह

भाकृअनुप – एनबीपीजीआर क्षेत्रीय केंद्र, अकोला में 14 सितंबर को हिंदी सप्ताह समारोह का उद्घाटन किया गया हिन्दी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉक्टर सुनील गोमाशे ने समारोह में उपस्थित कर्मचारियों का स्वागत करते हुए हिंदी सप्ताह को सफल बनाने का आग्रह किया ओर उन्होने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा ही नहीं बल्कि मातृभाषा भी हैं। उन्होंने राजभाषा के संदर्भ में वर्तमान परिस्थितियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश के उच्च पदस्थ सभी लोग राजभाषा हिन्दी को आगे बढ़ाने हेतु प्रयासरत हैं और अब यह हमारा दायित्वहै कि हिंदी का प्रयोग दिन प्रतिदिन बढ़ाएं।

हिंदी कार्यशाला

भाकृअनुप – एनबीपीजीआर क्षेत्रीय केंद्र, अकोला में 21 सितंबर को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया| यह कार्यशाला "कार्यालय संचालन में राजभाषा का उपयोग" इस विषय पर आयोजित की गयी| इस कार्यशाला की मार्गदर्शक एवं वक्ता श्रीमती आरती मैतकर, सचिव नराकास अकोला थी।

क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉ. सुनील गोमशे ने कार्यशाला मे उपस्थित सभी का स्वागत किया और इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता का परिचय उपस्थित कर्मचारियों से कराया और राजभाषा के संदर्भ में प्रकाश डाला। इन्होने हिंदी के प्रसिद्ध कवियों के उद्बोधन के अंशों को प्रकाशित किया।

श्रीमती आरती मेंतकर, सचिव नराकास ने प्रक्षेपक स्क्रीन की माध्यम से हिन्दी कि उत्पति से लेकर वर्तमान समय तक इसके महत्व और प्रासंगिकता पर मार्गदर्शन किया। कार्यालय संचालन में राजभाषा का उपयोग अधिक से अधिक कैसे बढ़ाया जाए और इस के लिए उपलब्ध जानकारी कार्यक्रम में सहभागी कर्मचारियों से साँझा की| इस पूरे कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनील गोमासे के दिशानिर्देश में श्री राकेश लाठर, तकनीशियन द्वारा किया गया।